भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

22.03.2023 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3569 का उत्तर

कोच और वैगन फैक्ट्री

3569. श्री गिरीश भालचन्द्र बापट:
श्री चंद्र शेखर साहू:
डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडे:
श्री राहुल रमेश शेवाले:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत में कोच और वैगन फैक्ट्री की वर्तमान उत्पादन क्षमता तथा अगले पांच वर्षों के लिए लक्ष्य क्षमता कितनी है;
(ख) क्या उत्पादन लक्ष्य को पाने के लिए भारतीय रेल के चार कोच फैक्ट्री तथा वैगन फैक्ट्री पर्याप्त हैं;
(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार की उत्पादन एककों की संख्या बढ़ाने की योजना है;
(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ड.) क्या सरकार का विशेषकर महाराष्ट्र में पी.पी.पी. मोड में और वैगन फैक्ट्री स्थापित करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी वर्तमान स्थिति क्या है;
(च) क्या ओडिशा में गंजम जिला के सीतापल्ली में 2011-12 में घोषित वैगन फैक्ट्री तथा जिसे पी.पी.पी. मोड में कार्यान्वित किया जाना प्रस्तावित था, को 2013 में अनुमोदन किया गया था; और
(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसकी वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ड.): भारतीय रेल सवारी डिब्बा उत्पादन इकाइयों और माल डिब्बा कारखानों सहित प्राइवेट माल डिब्बा निर्माताओं की प्रतिवर्ष लगभग 7500 सवारी डिब्बों और 41700 माल डिब्बों के विनिर्माण करने की क्षमता है, जिसे परिचालनिक आवश्यकता होने पर और बढ़ाया जा सकता है। ये रेलवे के उत्पादन लक्ष्य को पूरा करने के लिए पर्याप्त समझे जाते हैं।

(च): जी हां। सीतापल्ली में मालडिब्बा विनिर्माण कारखाने की स्थापना के कार्य को 2012-13 में स्वीकृत किया गया था और इसे संयुक्त उद्यम-पीपीपी माध्यम से कार्यान्वित किया जाना था।

(छ): रेलवे की माल डिब्बों की समग्र आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए माल डिब्बा कारखानों की स्थापना की जाती है। देश में मौजूदा माल डिब्बा निर्माण क्षमता पर्याप्त है। सीतलपल्ली में वैगन विनिर्माण कारखाने की स्थापना की परियोजना को रोक दिया गया है, राज्य सरकार द्वारा रेलवे को भूमि हस्तांतरित नहीं की गई है।

****